

1. प्रश्न - आर्थिक विकास के प्रमुख कारकों की विवेचना कीजिए।

उत्तर - आर्थिक विकास के कारकों या निर्धारक तत्वों को मुख्यतः दो वर्गों में विभाजित किया जा सकता है - आर्थिक कारक तथा गैर-आर्थिक कारक। विकास के आर्थिक तत्वों अथवा कारकों में निम्नांकित महत्वपूर्ण हैं -

(i) प्रकृतिक संसाधन - प्रकृतिक संसाधनों से हमारा अभिप्राय जलवायु, भूमि, नदियाँ, जंगल, जीव-जन्तु आदि इन सभी साधनों से है, जो किसी देश को प्रकृति द्वारा प्रदान किए जाते हैं। इन प्रकृतिक संसाधनों पर अम एवं पूँजी के प्रयोग द्वारा ही वस्तुओं और सेवाओं का उत्पादन होता है, जो मानवीय आवश्यकताओं की संतुष्टि करता है।

(ii) पूँजी निर्माण :- किसी देश की अर्थव्यवस्था के विकास में पूँजी का भागदान अत्यधिक महत्वपूर्ण होता है। प्रथम, पूँजी के प्रयोग से प्रम की उत्पादकता, अर्थव्यवस्था की उत्पादन क्षमता तथा राष्ट्रीय आय के स्तर में वृद्धि होती है। द्वितीय पूँजी उत्पादित वस्तुओं और सेवाओं के प्रसार एवं गुणवत्ता में सुधार लाने में सहायक होती है। तृतीय, पूँजी निर्माण की दर में वृद्धि होने से प्रयोग एवं अनुसंधान को प्रोत्साहन मिलता है। इससे आर्थिक विकास की गति अधिक तीव्र हो जाती है।

(iii) पूँजी - उत्पाद अनुपात → पूँजी - उत्पाद पूँजी की उत्पादकता को व्यक्त करता है। पूँजी की उत्पादकता का अर्थ यह है कि पूँजी की इकाइयों के अनुपात में उत्पादन की मात्रा में कितनी वृद्धि होती है। इससे देश के आर्थिक विकास की गति का पता लगाया जा सकता है। पूँजी की उत्पादकता कम या पूँजी - उत्पाद अनुपात जितना अधिक होगा, आर्थिक विकास की गति भी उतनी ही अधिक होगी।

(iv) तकनीकी विकास - तकनीकी विकास का अभिप्राय उत्पादन की आधुनिक एवं ग्रेज्ड तकनीक और विधियों के विकास तथा प्रयोग से है। तकनीकी विकास से देश के उपलब्ध संसाधनों का कुशलतम प्रयोग होता है तथा उत्पादित वस्तुओं की गुणवत्ता और मात्रा दोनों में वृद्धि होती है।



① मानवीय संसाधन को आर्थिक विकास की दृष्टि से मानवीय संसाधनों का सर्वाधिक महत्व है इसका कारण यह है कि मनुष्य उत्पादन का साधन तथा साध्य दोनों है। उत्पादन के अन्य साधनों का प्रयोग संभव हो पाता है मानवीय संसाधनों का महत्व इस कारण और बढ़ जाता है क्योंकि प्रकृति संसाधनों और पूँजी निष्क्रिय होते हैं मनुष्य ही प्रकृति - पदार्थों के साधनों पर पूँजी का प्रयोग कर पदार्थों और सेवाओं का उत्पादन करता है।

Ques ② बिहार के आर्थिक पिछड़ेपन का एक प्रमुख कारण इसकी कमजोर आधार - संरचना है।

→ आर्थिक संरचना अथवा आधार - संरचना का अभिप्राय उन सेवाओं से है जो एक अर्थव्यवस्था को कार्यशील बनाते हैं। इस संरचना या ढाँचे पर ही किसी अर्थव्यवस्था का विकास निर्भर है।

आर्थिक संरचना विकास की दृष्टि से बिहार दामोदर के अन्य विकसित राज्यों की तुलना में बहुत पीछे है यहाँ की आर्थिक और समग्र दोनों ही संरचनाएँ बहुत कमजोर और निम्न स्तर की हैं राज्य में प्रतिव्यक्ति विजल का उपयोग अन्य राज्यों की अपेक्षा बहुत कम है कृषि, उद्योग एवं व्यापार सभी क्षेत्रों के विकास के लिए सड़क परिवहन की उन्नत आवश्यकता आवश्यक है परंतु बिहार में सड़कों की स्थिति अत्यंत दयनीय है संधान आवादीय राज्य होने पर भी यहाँ प्रति लाख जनसंख्या पर सड़कों की लंबाई का घनत्व मात्र 111 Km है जबकि संपूर्ण देश में यह घनत्व तीन गुना अधिक (360 Km) है शिक्षा और स्वास्थ्य सेवाएँ विकास के महत्वपूर्ण मापदंड हैं।



3. प्रश्न - बिहार में विकास की भावी संभावनाएँ क्या हैं? (3)

उत्तर - बिहार आर्थिक दृष्टि से पिछड़ा हुआ राज्य है तथा इसके विकास का स्तर बहुत निम्न है। पिछले दशक के अन्तर्गत जहाँ पंजाब, हरियाणा, महाराष्ट्र, गुजरात तथा दक्षिण भारत के राज्यों का बहुत तेजी से विकास हुआ है, वहाँ बिहार की विकास दर बहुत धीमी रही है। उद्गीरा के बाद हमारे राज्य में निर्धनों का प्रतिशत सर्वाधिक है तथा अधिकांश बिहार वासी धीरे निर्धनता में जीवन यापन करते हैं। लेकिन इसमें यह निष्कर्ष निकालना गलत होगा कि इस राज्य में विकास की संभावनाएँ नहीं हैं। विभाजन के पश्चात खनिज सम्पदा से वंचित हो जाने पर भी बिहार में गन्ना, धूर, चाय आदि कई प्रकार की व्यवसायिक फसलों का उत्पादन होता है, तथा राज्य में कृषि-आधारित उद्योगों के विकास की संभावनाएँ बहुत अधिक हैं। इसके साथ ही बिहार में उर्वर भूमि एवं जल संसाधन के रूप में प्राकृतिक संसाधनों का विशाल भंडार है। इनके उचित विवेक, प्रबंधन एवं उपयोग द्वारा राज्य को देश के विकसित राज्यों की अगली पंक्ति में लाया जा सकता है।

यह संश्लेष का विषय है कि पिछले कुछ वर्षों से बिहार सरकार राज्य के विकास के अवरोधों को दूर करने के लिए प्रयासशील है। इस अवधि के अन्तर्गत उसने प्रशासन की गुणवत्ता, निवेश के वातावरण तथा कानून व्यवस्था की स्थिति में सुधार लाने के प्रयास किए हैं। इससे राज्य में आर्थिक विकास की प्रक्रिया तेज हुई है।

4. प्रश्न - देश के आर्थिक विकास में बिहार की भूमिका का वर्णन करें।

उत्तर - बिहार का इतिहास काफी प्राचीन है। यहाँ सामाजिक, राजनैतिक तथा आर्थिक दृष्टिकोण से हमारे देश के आर्थिक विकास में इसकी महत्वपूर्ण भूमिका है। यहाँ चन्द्रगुप्त मौर्य के समय विकसित देशव्यापी शासन प्रणाली थी। ध्यान-विज्ञान के प्रसार, राजनीति सम्बन्धित कौशिल्य की प्रसिद्ध पुस्तक की रचना यहाँ की गयी। विश्वविद्यालयों का निर्माण, जालेंदा विश्व विद्यालय की स्थापना करना के निकट जालेंदा में हुई थी। बिहार ने देश के विभिन्न भागों को जोड़ने के लिए सासाराम के मध्यकालीन सम्राट शेरशाह सूरी ने देश में ग्रेट-ट्रंक रोड का निर्माण किया।

वर्तमान में बिहार की विकास दर बहुत धीमी है, तथा विभाजन के पश्चात आर्थिक स्थिति कमजोर हो गयी है। यहाँ खनिज पदार्थों का विशाल भंडार है लेकिन राज्य विभाजन के पश्चात वंचित हो गया। लेकिन बिहार की भूमि उपजाऊ है, अतः कृषि-विकास द्वारा इसके कृषि क्षेत्र में देश का सबसे विकसित राज्य बनाया जा सकता है। बिहार में केवल खेती फसलों का ही नहीं वरन् गन्ना, धूर, तम्बाकू, चाय आदि कई प्रकार की व्यवसायिक फसलों का भी उत्पादन होता है। बिहार में सब्जी के उत्पादन में दूसरा तथा फूल के उत्पादन में तीसरा स्थान है। लीची आदि जैसे उत्पादित फलों के निर्माण द्वारा राज्य में पर्याप्त विदेशी मुद्रा की जा सकती है। बिहार में युवा मानवीय संसाधनों की भी बहुलता है, तथा इसके कौशल का विकास हमारे देश में आर्थिक विकास में बहुत सहायक हो सकता है। इस प्रकार बिहार के विकास की देश के आर्थिक विकास में महत्वपूर्ण भूमिका हो सकती है।



1. आर्थिक विकास की व्याख्या के विभिन्न आधार कौन कौन हैं?
  - (क) सकल राष्ट्रीय उत्पाद (ख) प्रति व्यक्ति आय
  - (ग) आर्थिक कुलमाण का आधार (घ) इनमें सभी।
 उत्तर-(घ) इनमें सभी
2. मानव विकास सूचकांक में भारत का क्या स्थान है?
 उत्तर- 126
3. निम्न में से किस राज्य को पिछड़ा राज्य कहा जाता है?
 उत्तर- (ख) बिहार
  - (क) पंजाब (ख) बिहार (ग) केरल (घ) दिल्ली
4. भारत में भोजन आभोग का गठन कब किया गया था?
 उत्तर- 15 मार्च 1950
5. निम्न में से कौन से देश में मिश्रित अर्थ व्यवस्था है?
 उत्तर-(ग) भारत
  - (क) अमेरिका (ख) चीन (ग) भारत (घ) जापान)
6. जिस देश का राष्ट्रीय आय अधिक होता है, वह देश क्या कहलाता है?
 उत्तर- विकसित
7. निम्न में किसे प्राथमिक क्षेत्र कहा जाता है?
 उत्तर- (क) कृषि क्षेत्र
  - (क) कृषि क्षेत्र (ख) सेवा क्षेत्र (ग) औद्योगिक क्षेत्र (घ) इनमें से कोई नहीं
 उत्तर-(क) कृषि क्षेत्र